तैयारी पुल बनाए जानेवाले जगहों को दस दिनों के अंदर चिह्नित कर तैयार होगी रिपोर्ट

बाढ़ प्रभावित जिलों में बनेंगे 200 से अधिक पुल

राज्य ब्यूरो, पटना : बाढ़ प्रभावित जिलों में 200-250 के बीच छोटे-छोटे नए पुल अस्तित्व में आ सकते हैं। जिन जगहों पर पानी निकलने का रास्ता नहीं होने की वजह सड़क का कटाव हुआ या फिर सड़कें बह गई, उन जगहों पर नए पुल का निर्माण कराये जाने की योजना है। इस योजना के मूल में यह है कि पानी अधिक होने की स्थिति में उसे निकलने का रास्ता मिले।

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम और पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर एक-दो दिनों के भीतर उन स्थलों का संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे जहां पुल बनाया जाना जरूरी हो गया है। एनएच पर भी नए पुलों का निर्माण कराया जाएगा। वैसे आरंभिक आकलन के तहत अब तक 79 ऐसे जगह चिन्हित हुए हैं जहां पुलों का निर्माण आवश्यक समझा जा रहा है।

79 पुलों के निर्माण की जगह अब तक हो पाई है चिन्हित

एनएच पर बनने वाले पुलों का निर्माण भी निर्माण निगम कराएगा

100 से 400 मीटर की लंबाई के बनेंगे पुल

दस दिन में आएगी रिपोर्ट

नए पुलों के निर्माण के संबंध में पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एक-दो दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित इलाकों में विभाग के इंजीनियर व बाढ़ प्रभावित जिलों में तैनात पुल निर्माण निगम के कार्यपालक अभियंता संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के बाद दस दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे है। उक्त रिपोर्ट के आधार पर बाढ़ प्रभावित जिलों में नए पुल का निर्माण होगा। रिपोर्ट को सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद उनके डीपीआर पर काम आरंभ होगा।

50-400 मीटर लंबे पुल बनेंगे

पथ निर्माण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बाढ़ प्रभावित जिलों क्रमशः पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, गोपालगंज, सिवान व उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों में 50-400 मीटर लंबाई के पुलों का निर्माण किया जाना है। इन छोटे-छोटे पुलों के अतिरिक्त सात मेगा ब्रिज भी नए सिरे से बनेंगे।